लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION
OF
5th
LOK SABHA DEBATES

[दूसरा सत्र]
Second Session

Preservation Date 12-8-92
Fumigated On 30-7-85
Parliament Library

[खंड 6 में अंक 41 से 50 तक हैं
Vol. VI contains Nos. 41 to 50]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

मूल्य : एक रुपया

Price : One Rupee

विषय-सूची/CONTENTS

अंक—47, मंगलवार, 27 जुलाई, 1971/5 श्रावण, 1893 (शक)

No.—47, Tuesday, July 27, 1971/Sravana 5, 1893 (Saka)

निधन सम्बन्धी उल्लेख	Obituary Reference	1
(सर्वश्री बी० नारायणन और भास्कर नारायण दिघे)	(Saravshri B. Narayanan and B. N. Dighe)	1
उपाध्यक्ष महोदय	Mr. Deputy Speaker	1
श्रीमती इन्दिरा गांधी	Shrimati Indira Gandhi	1—2
श्री दशरथ देव	Shri Dasharatha Dev	2
श्री एस० ए० मुरुगनन्तम	Shri S. A. Muruganantam	2
श्री हुकम चन्द कछवाय	Shri Hukam Chand Kachwai	2
श्री एम० सत्यनारायण राव	Shri M. Satyanarayan Rao	2
श्री शंकरराव सावन्त	Shri Shankarrao Savant	2—3

लोक-सभा
LOK SABHA

मंगलवार, 27 जुलाई, 1971/5 श्रावण, 1893 (शक)
Tuesday, July 27, 1971/Sravana 5, 1893 (Saka)

लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई ।
The Lok-Sabha met at Eleven of the Clock

[उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए
Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*]

निधन सम्बन्धी उल्लेख
OBITUARY REFERENCES

उपाध्यक्ष महोदय : मुझे सभा को हमारे दो मित्रों, श्री बी० नारायणन और श्री भास्कर नारायण दिघे के दुखद निधन की सूचना देनी है ।

श्री नारायणन इस सभा के वर्तमान सदस्य थे और तमिलनाडु के पोलाची निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि थे । वह 1967-70 में चौथी लोक सभा के भी सदस्य थे । वह सक्रिय सदस्यों में से थे और सभा की कार्यवाही में बहुत रुचि लिया करते थे । उनका निधन 46 वर्ष की आयु में कल रात विलिंगडन अस्पताल में हुआ ।

श्री दिघे 1962-67 में तीसरी लोक सभा के सदस्य थे और महाराष्ट्र के कोलाबा क्षेत्र के प्रतिनिधि थे । उनकी सहकारिता आन्दोलन और शिक्षा कार्यों में बहुत रुचि थी । उनका निधन 51 वर्ष की आयु में बम्बई में 23 जुलाई, 1971 को हुआ ।

हमें अपने इन मित्रों के निधन पर गहरा शोक है और मुझे विश्वास है कि सभा भी संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करने में मेरा साथ देगी ।

प्रधान मन्त्री, अणुशक्ति मंत्री, गृह मंत्री और सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : श्रीमन्, श्री नारायण के निधन से हम सबको गहरा आघात लगा है । वह गरीबों और पीड़ितों के साथी थे और उनमें सभी को मित्र बना लेने की क्षमता थी । उनके निधन से न केवल उनकी पार्टी अपितु पूरी सभा को हानि हुई है ।

हमें श्री दिघे के निधन का भी शोक है। जो हमारे साथी तीसरी लोक सभा में थे हम जानते हैं कि वह कर्मठ थे। वह महाराष्ट्र के कोलाबा जिले के सम्मानित नेता थे। वह शिक्षा आदिवासी विकास, सहकारिता और ग्रामोद्योगों में बहुत रुचि रखते थे।

मेरा आपसे निवेदन है कि आप हमारी हार्दिक संवेदना दोनों के परिवारों तक पहुँचा दें।

श्री दशरथ देव (त्रिपुरा-पूर्व) : मैं अपनी तथा अपने दल की ओर से स्वयं को माननीय प्रधान मन्त्री द्वारा दोनों मित्रों के निधन पर व्यक्त भावनाओं के साथ सम्मिलित करता हूं और आपके द्वारा संतप्त परिवारों को अपनी संवेदना भेजता हूं।

***श्री एस० ए० मुरुगनन्तम** (तिरुनेलवेली) : मैं भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी और अपनी ओर से प्रधान मन्त्री द्वारा व्यक्त की भावनाओं से सहमत हूं। श्री नारायणन का अल्पायु में ही स्वर्गवास हो गया। वह जनता के निःस्वार्थी सेवक थे और जनता ने दोनों बार उन्हें भारी बहुमत से चुना। मेरा आपसे निवेदन है कि मेरी तथा मेरी पार्टी की ओर से दोनों दिवंगत सदस्यों के परिवारों को संवेदना पहुंचा दें।

Shri Hukam Chand Kachwai (Morena) : Sir, on behalf of my Party and on my own behalf I associate myself with the sentiments expressed here and pray to God to rest their souls in peace.

श्री एम० सत्यनारायण राव (करीमनगर) : मैं अपनी तथा तेलेंगाना प्रजा समिति की ओर से मैं प्रधान मन्त्री द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं से अपने को सम्बद्ध करता हूँ और आप से निवेदन करता हूं कि आप संतप्त परिवार को हमारी संवेदनायें पहुँचा दें।

श्री शंकर राव सावंत (कोलाबा) : मैं प्रधान मन्त्री द्वारा श्री दिघे के प्रति व्यक्त संवेदना के साथ अपने को सम्बद्ध करता हूं। श्री दिघे पक्के कांग्रेसी थे और यद्यपि उन्होंने वकालत पास की थी परन्तु समाज सेवा के कारण उन्होंने वकालत नहीं की। मुझे उनके अभिन्न मित्र होने का गर्व प्राप्त था।

उन्होंने अस्वस्थ होने पर भी नई कांग्रेस के लिए बड़ा काम किया।

उपाध्यक्ष महोदय : सभा-सदस्य शोक व्यक्त करने हेतु कुछ मिनटों के लिए खड़े रहें।

इस पर सदस्य थोड़े समय के लिए मौन खड़े रहे।

Members then stood in silence for a short while.

---

*तमिल में दिये गये भाषण के अंग्रेजी अनुवाद का संक्षिप्त हिन्दी रुपान्तर।

**Summarised translated version based in English translation of the speech delivered in Tamil.

उपाध्यक्ष महोदय : श्री बी० नारायणन की स्मृति में सभा कल 11 बजे म०पू० तक के लिए स्थगित हुई।

इसके पश्चात् लोक-सभा बुद्धवार, 28 जुलाई, 1971/6 श्रावण, 1893 (शक) के ग्यारह बजे म० पू० तक के लिये स्थगित हुई।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Wednesday, the 28th July, 1971/6, Sravana 1893 (Saka).

Printed at Akashdeep Printers 20, Daryaganj, Delhi-6.